>

Title: Need to issue a commemorative stamp in honour of Maharaja Satan Passi and undertake beautification and renovation of the historical Satan Kot at Unnao in Uttar Pradesh.

श्री अशोक कुमार रावत (मिसरिख): महाराजा सातन पासी उत्तर प्रदेश राज्य के उन्नाव एवं हरदोई के एक पराक्रमी वीर पासी राजा हुए हैं। सातन कोट, जनपद उन्नाव की तहसील बांगरमऊ में सण्डीला मार्ग पर सई नदी के किनारे स्थित है। इस क्षेत्र के चारों ओर पासी समाज के लोगों की बाहुल्यता है। सातन कोट किले का वर्तमान क्षेत्रफल लगभग 60 एकड़ मं फैला हुआ है, लेकिन इतिहासकारों का यह मानना है कि जब इस किले का निर्माण हुआ था तब इसका क्षेत्रफल 200 एकड़ से अधिक था। आज भी यहां पर विभिन्न प्रकार के बर्तन, विभिन्न प्रकार की आकृतियां इत्यादि मिलती रहती है। सातन कोट के किले पर प्रति वर्ष चैत की पूर्णिमां एवं परवा के दिन दो दिनों का एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है जिसमें सभी समुदाय के लाखों लोग शामिल होते हैं।

सातन कोट के किले पर माता सुचैना देवी का एक मंदिर भी है, जिसमें श्रद्धालुजन आज भी बड़ी आस्था से पूजा अर्चना करते हैं। महाराजा सातन पासी स्वयं भी माता सुचैना देवी के परम भक्त थे। किले के पश्चिम में एक विशाल शिवलिंग भी स्थापित है। ऐसा माना जाता है कि यह चौथी शताब्दी में स्थापित किया गया था।

इस बात के भी प्रमाण मिलते हैं कि सातन कोट भगवान बुद्ध के समय में साकेत नाम से जाने जाते थे। यह स्थान तत्समय बौद्ध धर्म का एक प्रसिद्ध तीर्थ स्थान था। यहां पर कई हजार बौद्ध भिक्षुओं को धर्म, दर्शन, साहित्य एवं अन्य विषयों की शिक्षा दी जाती थी। यह भी ज्ञात होता है कि भगवान बुद्ध स्वयं भी इस स्थान पर आते थे। चंद्रगुप्त विक्रमादित्य के समय में चीनी यात्री फाह्यान और राजा हर्ष के समय में ह्वेनसांग जैसे विद्वान यात्री भी यहां आये थे।

महाराजा सातन पासी ने एक अच्छी शासन व्यवस्था दी और एक विशाल राज्य की संरचना के लिए अनेक किलों का विभिन्न स्थानों पर निर्माण भी करवाया। उन्होंने सीमा की सुरक्षा और आंतरिक व्यवस्था की भी विशेष व्यवस्था की थी। आज पासी समाज के इस पराक्रमी शासक के महत्वपूर्ण किले का सौंदर्यीकरण किए जाने की आवश्यकता है।

अतः मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि वह पासी समाज के महाराजा सातन पासी की याद में डाक टिकट जारी किए जाने औन उनकी कांस्य प्रतिमा स्थापित किए जाने के साथ-साथ ऐतिहासिक सातन कोट को केंद्रीय पर्यटन की सूची में शामिल करते हुए उसका सौंदर्यीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कराये जाने हेतु आवश्यक कदम उठाएं।